# विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

## न्यूज़ लेटर

फरवरी, 2025

## प्राचार्य की कलम से :

इंसान के तनाव में आने के कई कारण हैं, जैसे–किसी काम में रूकावट आना, सामाजिक भेदभाव, द्वंद्व, अस्वाभाविक लक्ष्य, विद्यार्थियों के ग्रेड कम आना, परीक्षा का समय आदि। इस समय हमारे नकारात्मक इमोशंस चार्ज हो जाते हैं। हमारे मस्तिष्क के लिम्बिक सिस्टम का हिस्सा एमिग्डाला (Amygdala) कंपन शुरू करता है। एमिग्डाला भावनाओं, डर, गुस्से और स्मृति को नियंत्रित तथा डर और खतरे को पहचानकर (फाइट और फ्लाइदट) शुरू करता है तथा इसके कारण फ्रन्टल कॉटेक्स में आक्सीजन सप्लाई कम होने से हमारे तर्क संगत सोचने–समझने की क्षमता कम हो जाती है। जिस वक्त हम परेशानी में होते हैं या तनाव में होते हैं तो दो तरह के हार्मोन (कॉटिसॉल व एपिनेफ्रीन) हमारे शरीर में स्त्रावित होने लगते हैं। ऐपिनेफ्रीन अचानक खतरे की स्थिति में हृदय व फेफड़ों की कार्य क्षमता बढ़ा देता है जबकि कॉटिसॉल ग्लूकोज का स्तर बढ़ा कर इम्यून सिस्टम को कमजोर कर दीर्घ कालीन तनाव प्रबन्धन करता है। इस स्थिति में हमारे सभी फैसले इमोशन के आधार पर होते हैं। वास्तविकता तथा जीवन की प्राथमिकता को समझ नहीं पाते हैं। इस प्रकार लम्बे समय तक तनाव, इंसान के शरीर में कॉटिसॉल के स्तर को बढ़ा देता है। प्रीफंटल कॉर्टेक्स की कार्य क्षमता को कम करता है, जिससे समस्या का हल निकालना मुश्किल हो जाता है। एमिग्डाला के ओवर एक्टिव होने से व्यक्ति डर और चिन्ता में फंस जाता है, कोई भी कदम उठाने से डरता है। शरीर में खुशी का हार्मोन डोपामिन की कमी हो जाती है। इन सब कारणों से इंसान हेल्पलेसनेस की स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में इंसान को अपनी परेशानियां, अपनों के साथ साझा करना चाहिए। अपनी पहले की बेहतरीन परफॉर्मेस/कामयाबी को यादकर, खुश होना चाहिए। इससे नकारात्मक स्थिति में भी एपिनेफ्रीन व कॉटिसल हार्मोन का स्तर कम होगा। अपनी छोटी–छोटी उपलब्धियों पर जश्न मनाए। छोटे–छोटे लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यायाम करने से सेरेटोनिन एवं डोपिमिन बढ़ते हैं, जो मूड़ को अच्छा करते हैं। पूरी नींद लेने तथा संतुलित भोजन, ओमेगा–3 और विटामिन बी–12 न्यूरोट्रांसमीटर्स में संतुलन बनाए रखते हैं, जिससे हमें खुशी के साथ ज्यादा फोकस होकर काम करने में मदद मिलती है। आखरी महत्त्वपूर्ण बात तनाव की स्थिति में कभी भी किसी दूसरे को दोष न दें, क्योंकि जब हम ऐसा कर रहे होते हैं तो नकारात्मक भाव (Negative Emotions) हमार पास ज्यादा आएंगे और यह हमारे तनाव को और ज्यादा बढ़ा देंगे।

–डॉ.फरज़ाना ईरफान

### संपादन

सलाहकार–डॉ. जितेंद्र तायलिया, श्री राजेन्द्र भट्ट

प्राचार्य– डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादक –डॉ. गिरीश शर्मा

प्रूफ रीडिंग –डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा

ले–आउट, डिजाईनिंग –चिराग धुप्या

विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय,

डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान

ई–मेल vbcteudr@gmail.com, 0294–2451814

Website-www.vidyabhawan.in

## शोध शीर्षक चयन कार्यशाला

दिनांक 2 फरवरी, 2025। एम. एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के शोध कार्य की प्रथम सीढ़ी के रूप में शोध शीर्षक चयन कार्यशाला हुई। सर्व प्रथम सभी विद्यार्थियों को उनके शोध कार्य में उचित मार्गदर्शन हेतु पर्यवेक्षकों का आवंटन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने अपने शोध मार्गदर्शकों के निर्देशन में शोध शीर्षक का चयन किया। शोध शीर्षकों की अनुमति के लिए विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने–अपने शोध शीर्षक कार्यशाला में प्रस्तुत किए। प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान, समन्वयक डॉ. मनीषा शर्मा, विषय विशेषज्ञ प्रो. एम.पी. शर्मा एवं संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन, चर्चा एवं सुझावों के बाद विद्यार्थियों ने अपने शोध शीर्षकों में आवश्यक परिमार्जन किया और शोध शीर्षकों को अंतिम रूप दिया गया। अगली कड़ी में विद्यार्थी अपने शोध की रूपरेखा बनाकर प्रस्तुत करेंगे।

## सीखे कहानी लेखन के गुर

दिनांक 5 फरवरी, 2025। महाविद्यालय के भाषा विभाग की ओर से कहानी लेखन कार्यशाला के अंतर्गत ऑनलाईन विशेषज्ञ वार्ता आयोजित हुई। वार्ता का विषय 'कैसे बनाए बच्चों के लिए कहानी' था। वार्ताकार एबीपी न्यूज द्वारा 'एजुकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड' से सम्मानित इग्नस ग्रुप के प्रिंसिपल कोऑर्डिनेटर सुधीर शुक्ला थे। उन्होंने बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को 'बच्चों के लिए विशेष कहानी कैसे लिखें' के गुर सिखाए। उन्होंने विद्यार्थियों को कुछ शब्द एवं वाक्यांश, उन पर कहानी के कथानक सृजन का अभ्यास करवाया। कार्यशाला के दौरान श्रोताओं की कहानी लेखन संबंधी जिज्ञासाओं को भी उन्होंने शांत किया।

## शोध समस्या चयन पर चर्चा

दिनांक 5 फरवरी, 2025। प्राचार्य की अध्यक्षता में स्टाफ मिटिंग रखी गई। मीटिंग का एजेंडा समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर था। मीटिंग में शिविर में किए जाने वाले शोध प्रकरणों पर चर्चा करना था। सभी परिषदों की ओर से अपने शोध प्रकरणों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

## कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम पर चर्चा

दिनांक 7 फरवरी, 2025।महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. मालचन्द काला ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के यू.जी.सी. सेन्टर फॉर वूमन्स स्टडीज के द्वारा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान 2.0 प्रोजेक्ट के अन्तर्गत 'कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण)' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कम कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में संस्थान में महिला यौन उत्पीडन रोकने हेतु अधिनियम

2013 की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में बताया गया कि 10 या 10 से अधिक कर्मचारी वाले संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है, जिसकी सूचना संस्थान मे प्रदर्शित की जानी चाहिए। समिति की बैठक वर्ष मे दो बार होनी चाहिए। साथ ही शिकायत प्राप्त होने पर किस प्रकार उसका समाधान किया जाए, उसकी प्रक्रिया से भी अवगत करवाया गया। कार्यशाला में संस्था, संस्था प्रधान एवं कमेटी के क्या दायित्व होते हैं, पर भी चर्चा की गई। अन्त में विभिन्न संस्थाओं की शिकायत समिति के सदस्यों के साथ शिकायत समाधान से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर खुली चर्चा की गई।

## 'शैक्षिक प्रबंधन' पर चर्चा

दिनांक 8 फरवरी, 2025। प्राचार्य डॉ फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में नेक की तैयारी बैठक हुई। बैठक में नेक के एरिया 'शैक्षिक प्रबंधन' पर चर्चा की गई। इनमें संकाय सदस्यों की सूची संधारित करना, संस्थागत छात्रवृत्ति का रिकॉर्ड संधारित करना, संस्था के संसाधनों का रिकॉर्ड, गतिविधियों की योजना, क्रियान्वयन का रिकॉर्ड आदि शामिल थे।

## शिविर कार्यों की जानकारी

दिनांक 12 फरवरी, 2025। प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में स्टाफ मीटिंग रखी गई। मीटिंग में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर के समन्वयक डॉ. खीमाराम काक द्वारा शिविर में किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया गया। उन्होंने शिविर की रिपोर्ट का खाका भी प्रस्तुत किया और बताया कि शिविर के अंक दो भागों में बांट कर दिए जाए। शिविर की पूर्व तैयारी के 20 अंक तथा शिविर के 30 अंक दिए जाए।

## लर्निंग रिसोर्स पर चर्चा

दिनांक 12 फरवरी, 2025। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में नेक की तैयारी बैठक आयोजित हुई। बैठक में महाविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर एंड लर्निंग रिसोर्स पर चर्चा की गई। बैठक में आईसीटी से संबंधित रिकॉर्ड, पुस्तकालय से संबंधित रिकॉर्ड, भौतिक संसाधनों से संबंधित रिकॉर्ड एवं दस्तावेज, स्टूडियो तैयार करने की योजना बनाने संबधित निर्णय लिए गए।

## सिंहासन बत्तीसी का मंचन देखा

दिनांक 13 फरवरी, 2025।महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सोसायटी फॉर द एज्यूकेशन ऑफ डिफरेंशियल एबल्ड संस्था की ओर से अभिलाषा विशेष विद्यालय के विशेष योग्य विद्यार्थियों द्वारा शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में सिंहासन बत्तीसी नाट्य का मंचन देखा। डॉ. मालचन्द एवं चिराग धुप्या के नेतृत्व में महाविद्यालय के 45 विद्यार्थियों

ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने 80 मिनट के नाटक मे 5 कहानियां देखी। साथ ही विद्यार्थियों को विशेष योग्य बालकों की प्रतिभाओं को जानने, नाटक का प्रभावी प्रस्तुतीकरण कैसे किया जाएं, बिना बोल हावभाव द्वारा कैसे प्रस्तुतीकरण किया जाएं, को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। अगले दिन प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान के साथ संकाय सदस्य डॉ. जेहरा बानू, डॉ. गिरीश शर्मा एवं उषा पानेरी ने भाग लिया।

## शिविर अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 12 फरवरी, 2025। महाविद्यालय में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर का दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ। पहले दिन प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और शिविर की अवधारणा के बारे में बात की। दूसरे सत्र में डॉ. मालचंद काला और डॉ. नैना त्रिवेदी ने सामुदायिक कार्य पर चर्चा की। डॉ. मनीषा शर्मा ने शिविर के दौरान किए जाने वाले सर्वे की जानकारी तथा उनके क्षेत्रों के बारे में बताया। अंतिम सत्र में डॉ. गिरीश शर्मा और कुमकुम सालवी ने शिविर के दौरान खिलाए जाने वाले पारंपरिक खेलों के बारे में चर्चा की। दूसरे दिन डॉ. संतोष उपाध्याय एवं डॉ. जयदेव पानेरी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन एवं तैयारियों पर सत्र लिया। दूसरे सत्र में डॉ. प्रीति गहलोत एवं बीना लौहार ने आर्ट एवं क्राफ्ट पर सत्र लिया। अगले सत्र में डॉ. अख्तर बानो एवं डॉ. विद्या मेनारिया ने किचन स्किल पर चर्चा एवं आयोजन की योजना एवं तैयारियों पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। अंतिम सत्र में समन्वयक डॉ. खीमाराम काक एवं शिविर कमेटी सदस्य डॉ. मुकेश सुखवाल एवं डॉ. विद्या मेनारिया ने शिविर के बारे में सामान्य निर्देश दिए।

## भूगोल विभाग का अवलोकन

दिनांक 13 फरवरी, 2025। महाविद्यालय के भूगोल परिषद के विद्यार्थियों ने प्रभारी डॉ. गिरीश शर्मा के सान्निध्य में मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय के भूगोल विभाग का अवलोकन किया। विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान ने उदयपुर के प्राकृतिक जल प्रवाह तंत्र पर सत्र लिया। उन्होंने सेटेलाईट पिक्चर के माध्यम से उदयपुर के प्राकृतिक जल प्रबंधन पर

विद्यार्थियों से चर्चा की। विद्यार्थियों ने भूगोल विभाग के कक्षा–कक्ष एवं प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालन भी विद्यार्थियों से रूबरू हुईं तथा उन्होंने विद्यार्थियों को यहां चलने वाले पाठ्यक्रमों से अवगत कराया और उन्हें भूगोल विषय में एम.ए. करने के लिए प्रोत्साहित किया।

## यौन उत्पीड़न पर सत्र

दिनांक 13 फरवरी, 2025। महाविद्यालय की सेक्सुअल हैरेसमेंट कमेटी के सदस्य डॉ. संतोष उपाध्याय एवं डॉ. मालचंद काला ने यौन उत्पीड़न पर सत्र लिया। सत्र में बी.एड. एवं एम. एड. प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिकाएं उपस्थित थीं। कमेटी सदस्यों ने छात्राध्यापिकाओं को यौन उत्पीड़न संबंधी जानकारी दी और इसके लिए सरकार द्वारा निर्मित अधिनियम बताते हुए उन्हें जागरूक किया। उन्होंने महाविद्यालय में गठित आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों से अवगत

करवाया और समिति के कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने छात्राध्यापिकाओं को बताया कि वे अपनी समस्याएं सदस्यों तक निःसंकोच पहुंचा सके इसके लिए महाविद्यालय के विभिन्न सूचनापट्टों पर सदस्यों के नाम एवं फोन नंबर चस्पा किए गए हैं। साथ ही ऑफिस के बाहर एक सुझाव पेटी भी रखी गई है।

## शिविर का उद्घाटन, सर्वे किया

दिनांक 14 फरवरी, 2025। महाविद्यालय में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईनफान ने किया। शिविर की थीम राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा थी। प्रारंभ में विद्यार्थियों ने प्रार्थना गाई। शिविर का पहला दिन फिल्ड स्टडी के लिए निर्धारित था। विद्यार्थियों ने अपनी–अपनी परिषद् के साथ चयनित क्षेत्रों में सर्वे किया और आंकड़े एकत्र किए। इतिहास परिषद् ने देवाली गांव में कौशल विकास शिक्षा की वस्तु स्थिति एवं अभिवृत्ति, हिन्दी एवं संस्कृत परिषद् ने नीमचखेड़ा कच्ची बस्ती निवासियों की आध्यात्मिक दिनचर्या, राजनीति विज्ञान परिषद् ने देवाली गांव में महिला सशक्तीकरण, हिन्दी परिषद् ने मनोहरपुरा के निवासियों के पास प्राचीन साहित्य की उपलब्धता, भूगोल परिषद् ने उदयपुर की प्राकृतिक जल प्रवाह तंत्र का भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन, अर्थशास्त्र एवं अंग्रेजी परिषद् ने समाज में आईसीटी स्रोतों की उपलब्धता, सामाजिक विज्ञान परिषद् ने मनोहरपुरा कच्ची बस्ती के निवासियों के धार्मिक रिति–रिवाज एवं परंपरा, विज्ञान–अ परिषद् ने रोगों के उपचार के लिए भारतीय परंपरागत ज्ञान के उपयोग की वस्तुस्थिति, विज्ञान–ब परिषद् ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में सौर उर्जा के उपयोग तथा एमएड. परिषद् ने भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित मूल्यों के विकास में विद्यालयों के विकास का अध्ययन किया। परिषद के विद्यार्थी अपने–अपने परिषद् प्रभारियों के साथ नियत स्थानों पर गए तथा आंकड़े एकत्र किए।

## कार्डियक हेल्थ पर चर्चा

दिनांक 15 फरवरी, 2025। समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर के दूसरे दिनकार्डियक हेल्थ के महत्व एवं कार्डियक हेल्थ के रोगों एवं उपचारों, लक्षणों के प्रति संवेदनशीला विषय पर डॉ. हितेश यादव की वार्ता हुई। प्रारंभ में शिविर संयोजक डॉ. खीमाराम काक ने स्वागत किया। डॉ. हितेश यादव ने हृदय स्वास्थ्य के बारे में करते हुए कार्डियक रोगो के कारकों, लक्षणों एवं उपचार के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ कार्डियक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक जीवनशैली में परिवर्तन पर भी चर्चा की। उन्होंने छाती में दर्द, सांस लेने में कठिनाई, सीने में जकड़न, धड़कन की अनियमितता व स्वास्थ्य में अनियमियता एवं अचानक गिरावट आदि को हृदय रोग के प्रमुख लक्षण बताया।

स्वस्थ्य आहार और तनाव प्रबंध से हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है।वार्ता के दौरान छात्रों ने भी सवाल पूछे। वार्ता के बाद विद्यार्थियों ने अपनी–अपनी परिषदों में अध्ययन कार्य किया। शाम के सत्र में विद्यार्थियों की अंत्याक्षरी प्रतियोगिता हुई।

भारतीय ज्ञान प्रणाली पर वार्ता

दिनांक 17 फरवरी, 2025। समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर के तीसरे दिन प्रार्थना सभा में प्रो. अनिल कोठारी की वार्ता हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्त्व और उसके विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक किया। प्रारंभ में महाविद्यालय के राजीव गिरि गोस्वामी ने प्रो. अनिल कोठारी का स्वागत किया। प्रो. अनिल कोठारी ने इंडियन नॉलेज सिस्टम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जिनमें वेद, उपनिषद् ज्योतिष और भारतीय, कला और संस्कृति शामिल थे। उन्होंने बताया कि कैसे वेद और उपनिषद हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा की कि कैसे विदेशी देश हमारे भारतीय ज्ञान प्रणाली का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने अपनी ज्ञान प्रणाली के सम्मान की बात की। उन्होंने इंडियन आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की, जिनमे भारतीय मंदिरों और घरों की वास्तुकला शामिल थी। भारतीय महलों की वास्तुकला के बारे में उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय वास्तुकला में प्राकृतिक सामग्री का उपयोग किया जाता हैं और किस तरह यह पर्यावरण के अनुकूल हैं। भारतीय वास्तुकला में स्थानीय संस्कृति और परंपराओ का समावेश किया जाता है। वार्ता के बाद सामुदायिक कार्य के अंतर्गत विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर में श्रमदान किया। उसके बाद विद्यार्थियों ने अपना अध्ययन कार्य किया। शाम को खेलकूद हुए।

वॉलीबाल में विज्ञान–अ और ब विजयी

दिनांक 17 फरवरी, 2025। समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर के दूसरे दिन शाम को खेल सत्र हुआ। भूगोल परिषद् को परंपरागत खेल खिलवाने की जिम्मेदारी दी गई। शिविर में शाम के सत्र में दो दिन परंपरागत खेलों के लिए रखे गए। भूगोल परिषद् प्रभारी डॉ. गिरीश शर्मा एवं कुमकुम सालवी ने विद्यार्थियों से चर्चा कर छात्रों के लिए वॉलीबाल तथा छात्राओं के लिए खो–खो खेल करवाए। वॉलीबाल में विज्ञान–अ और विज्ञान–ब की टीम सम्मिलित रूप से विजयी रही। दूसरे दिन छात्र एवं छात्राओं के बीच अंत्याक्षरी प्रतियोगिता हुई।

हस्तकला और निर्माण कार्य

दिनांक 18 फरवरी, 2024। समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर के चौथ दिन प्रार्थना सभा के बाद विद्यार्थियों ने हस्तकला और निर्माण कार्य किया। विद्यार्थियों ने अपनी–अपनी परिषदों में हस्तकला निर्माण कार्य किया। उन्होंने अनुपयोगी सामग्री से सुन्दर सजावटी चीजें बनाई। इनमें फोटो फ्रेम, नाव, पेन स्टेण्ड, आदि शामिल थे। शाम को रसोई कौशल विकास कार्य के अंतर्गत विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यंजन बनाए। इन गतिविधियों के साथ–साथ विद्यार्थियों ने अपने अध्ययन कार्य भी पूर्ण किए।

प्रदर्शनी का उद्घाटन

दिनांक 19 फरवरी, 2025। महाविद्यालय में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर के पांचवे और अंतिम दिन विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्यों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक राजेन्द्र भट्ट ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अरूण चतुर्वेदी एवं महाविद्यालय की पूर्व निदेशक प्रो. दिव्यप्रभा नागर भी उपस्थित थीं। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन किया और उनकी प्रक्रिया पूछी। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया। प्रदर्शनी का आयोजन डॉ. विभा देवपुरा एवं चिराग घुप्या के निर्देशन में विज्ञान–अ परिषद ने किया।

सांस्कृतिक समारोह

दिनांक 19 फरवरी, 2025। महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आयोजित पांच दिवसीय समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र तायलिया थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर विभिन्न परिषदों के अध्यक्ष ने शिविर में किए गए अध्ययन कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. गिरीश शर्मा एवं चिराग धुप्या ने भी गीत प्रस्तुत किया। अंत

में शिविर समन्वयक डॉ. खीमाराम काक ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

## संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में भाग लिया

दिनांक 19 फरवरी, 2025। महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. मालचन्द ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेंनिग प्रोग्राम के अन्तर्गत जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर केन्द्र द्वारा आयोजित 8 दिवसीय नई शिक्षा नीति 2020ः संवेदीकरण एवं अभिविन्यास विषय पर ऑनलाईन संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों यथा नई शिक्षा नीति 2022 दृष्टिकोण, भारतीय ज्ञान परम्परा, अकादमिक नेतृत्व एवं प्रशासन, गुणात्मक अनुसंधान, उभरती हुई तकनीकी, समावेशन, औद्योगिकीकरण 0.4 एवं शिक्षा, शिक्षा एवं शिक्षण में नवाचार पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में प्रतिपुष्टि एवं परीक्षण लिया गया।

## शिविर की रिव्यू मीटिंग

दिनांक 25 फरवरी, 2025। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर की रिव्यू मीटिंग आयोजित हुई। संकाय सदस्यों की ओर से सुझाव आए कि शिविर की अवधि एक दिन बढ़ाई जा सकती है, ताकि समापन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम अलग–अलग दिन किया जा सके। आर्ट एवं क्राफ्ट का कार्य सभी परिषद् एक ही जगह पर बैठ कर करें ताकि एक–दूसरे के अनुभवों का लाभ मिल सके। सर्वे कार्य के लिए भी एक दिन अतिरिक्त दिया जाए। शिविर के दौरान प्रत्येक दिन अलग–अलग विषयों पर वार्ताएं आयोजित की जाए तथा परिसर सौंदर्यीकरण के लिए भी पूरा एक दिन निर्धारित किया जाए।

## नए कोर्स पर चर्चा

दिनांक 27 फरवरी, 2025। राष्ट्रीय अध्यापक परिषद् के नए रेगुलेशन के अनुसार नए कोर्स खोलने के लिए निर्धारित नियम एवं मापदण्डों पर संकाय सदस्यों ने चर्चा की। प्राध्यापक डॉ. मालचंद काला ने पहले परिषद् द्वारा निर्धारित आठ प्रकार के कोर्सों का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 से ये सभी कोर्स लागू होंगे। संकाय सदस्यों ने नए कोर्स के लिए निर्धारित भौतिक एवं मानवीय संसाधनों पर चर्चा की। चर्चा में उभर कर आया कि हमारा महाविद्यालय चौथे प्रकार वर्ग में आता है और इसके लिए महाविद्यालय का बहुविषयक होना अनिवार्य शर्त है। इसके साथ ही यदि ये कोर्स प्रारंभ होते हैं तो सेमेस्टर सिस्टम लागू हो जाएगा, तीन साल में नेक करवाना अनिवार्य होगा। भवन एवं शौचालय का भी विस्तार करना होगा। वर्तमान में

जो संकाय सदस्य हैं, उनका अन्य कोर्स के साथ कैसे उपयोग में लाया जा सकता है, इसके नियम पता करने होंगे।

### विशेष बी.एड. के लिए चर्चा

दिनांक 28 फरवरी, 2025। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने महाविद्यालय में विशेष बी.एड. कार्स प्रारंभ करने के संबध में चर्चा की। प्रारंभ में संकाय सदस्य डॉ. मालचंद काला ने पीपीटी के माध्यम से आईएसआईटीपी के नियम एवं मापदंडों को प्रस्तुत किया और बताया कि विशेष बी.एड. कोर्स के लिए भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता लेनी होगी। उसके बाद हुई चर्चा में उभर कर आया कि इस कोर्स को आरंभ करने के लिए महाविद्यालय का बहुविषयक होना अनिवार्य होगा, साथ ही समावेशी शिक्षा का एक कार्यक्रम भी संचालित होना अनिवार्य शर्त होगी। संकाय सदस्यों ने इसके लिए भौतिक संसाधनों तथा विभिन्न प्रकार की प्रयोगशालाओं के लिए तैयारियों पर चर्चा की।